Assignments for TEE December 2022 and for TEE June 2023

(बीए दर्शनशास्त्र तृतीय वर्ष)

BPY-009 समकालीन पाश्चात्य दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. आलोचनात्मक सिद्धान्त पर मार्क्स एवं हेगेल के योगदान एवं प्रभाव पर एक निबन्ध लिखिए। 20

अथवा

दर्शन-विषयक विश्लेषणात्मक (एनालिटिक) एवं कॉन्टीनेन्टल दृष्टिकोणों के अन्तरों को रेखांकित कीजिए। 20

2. सिग्मण्ड फ्रायड के मनोविश्लेषणात्मक (सायकोएनालिटिक) सिद्धान्त की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

जॉन डेवी के प्रयोजनवादी सिद्धान्त की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

   अ) हाइडेगर यह कैसे दर्शाते हैं कि दासाइन की समग्रता और प्रामाणिकता की सत्तामीमांसीय सम्भावना सत्तारूप (ऑन्टिकली) से मूर्त (कांक्रीट) हो जाती है? 10

   आ) रसल के दर्शन में तार्किक अणुवाद के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10

   इ) किर्केगार्द के दर्शन की मुख्य विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 10

   ई) साधारण भाषा क्या है? साधारण भाषा दर्शन के विकास में पी. एफ. स्ट्रॉसन के योगदान पर निबन्ध लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) इड एवं ऑडिपस कॉम्पलेक्स क्या हैं? 5

आ) उत्तर-संरचनावाद की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 5

इ) परिवार-सादृश्य (फैमिली रेजेम्बलेन्स) के विचार पर पर टिप्पणी कीजिए। 5

ई) देरिदा के दर्शन में 'भेद (डिफरेन्स)' की अवधारणा का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5

उ) श्लेमचेर के अर्थ-विज्ञान (हर्मन्युटिक्स) के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) आधुनिकतावाद की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणियां लिखिए। 5*4= 20

अ) जीवन-आकार (फॉर्म ऑफ लाइफ) 4

आ) मार्सल के दर्शन में उपलब्धता का विचार 4

इ) लैंग 4

ई) सार्त्र के दर्शन में तथ्यता 4

उ) निजी भाषा 4

ऊ) बोध/समझ की भाषागतता (अंडरस्टेंगिंग ऑफ लिंग्विस्टिकलिटी) 4

ए) वैज्ञानिक भौतिकवाद 4

ऐ) दृश्यगोचरवाद (फेनोमिनोलेजी) 4

BPY-010 ज्ञानमीमांसा

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. सत्य सम्बन्धी प्रयोजनवाद क्या है? इस वाद की आधारभूत प्राक्कल्पना क्या है(हैं)? 20

अथवा

सत्य का संसक्ततावाद (कोहिरेन्स थ्योरी) सिद्धान्त क्या है? इस सिद्धान्त के आधारभूत परिकल्पना(एं) क्या हैं? 20

2. न्याय दर्शन में अनुमान के विभिन्न प्रकारों पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

व्याप्ति क्या है? न्याय दर्शन कैसे अनुमान को ज्ञान/प्रमा का साधन (प्रमाण) सिद्ध करता है? न्याय दर्शन के अनुमान के विरुद्ध क्या मुख्य आपत्तियां हैं? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में दीजिए। 2*10= 20
   - अ) न्याय एवं बौद्ध दर्शन की प्रत्यक्ष की परिभाषा की तुलना कीजिए। 10
   - आ) वैशेषिक दर्शन में अभाव की अवधारणा एवं प्रकारों पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - इ) अरस्तू के दर्शन में पदार्थ के विचार का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 10
   - ई) न्याय दर्शन में हेत्वाभास की अवधारणा एवं प्रकारों पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) रीति (मानक) निर्माण हेतु युक्तिपरक पद्धति पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।
   - आ) उपमान क्या है? न्याय दर्शन किस तरह उपमान को स्वतन्त्र प्रमाण के रूप में स्थापित करते हैं? 5
   - इ) मीमांसा दर्शन वेद की प्राधिकारिता की असंदिग्धता/अकाट्यता की प्रतिरक्षा कैसे करते हैं? 5

ई) स्वतः प्रामाण्यवाद एवं परतः प्रामाण्यवाद के मध्य अन्तर कीजिए। 5

उ) नारीवादी ज्ञानमीमांसा की चारित्रिक विशेषताएं क्या हैं? वर्णन कीजिए। 5

ऊ) संश्लेषणात्मक प्राक्-आनुभविक एवं विश्लेषणात्मक प्राक्-आनुभविक के मध्य अन्तर कीजिए।5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) प्रमाण 4

आ) पृथकत्व 4

इ) नरम आधारभूतवाद (मोडेस्ट फाउन्डेशनलिज्म) 4

ई) प्रत्ययों का साहचर्य (एसोसिएशन ऑफ आइडियाज) 4

उ) सामान्य-लक्षण-प्रत्यक्ष 4

ऊ) साध्य 4

ए) अक्विनास के दर्शन में सहभागिता की अवधारणा 4

ऐ) शब्द 4

BPY-011 मानव-व्यक्ति दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. संस्कृति क्या है? क्या आप मानव को सांस्कृतिक-उत्पाद की तरह देखते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियां प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

क्या आप ऐसा सोचते हैं कि मानव अस्तित्व और स्वतन्त्रता के मध्य सम्बन्ध है? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 20

2. देकार्ते का मनस-शरीर द्वैत क्या है? मार्ले पॉन्टी देकार्ते के "मैं सोचता हूँ इसलिए हूँ" के सिद्धान्त क्या क्या विकल्प प्रस्तुत करते हैं? 20

अथवा

नव-डार्विनवाद की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? डार्विनवाद से इसका विभेद कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) बुद्धि (इन्टेलेक्ट) के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए युक्तियां दीजिए। 10

आ) आत्मा के पारगमन (अन्यत्र जाना; ट्रान्समाइग्रेशन) को सिद्ध करने के लिए क्या युक्तियां हैं?10

इ) भगवद्गीता एवं बौद्ध दर्शन की मानव-विषयक अवधारणा की तुलना कीजिए। 10

ई) संकल्प (विल) एवं बुद्धि (इन्टेलेक्ट) के मध्य सम्बन्ध पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) "बुद्धि पूर्ण प्रतिबिम्बन में समर्थ है।" चर्चा कीजिए। 5

आ) "प्रत्यय सार्वभौमिक हैं परन्तु ज्ञात सत् (वास्तविकता) वैयक्तिक है" चर्चा कीजिए। 5

इ) मानव-सम्बन्धी अद्वैतवादी समझ पर टिप्पणी लिखिए। 5

ई) मार्टिन बूबर के "मैं और तुम" पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

उ) सेक्स और जेण्डर में भेद कीजिए। 5

ऊ) संकल्प स्वातन्त्र्य के पक्ष में नैतिक युक्तियों का मूल्यांकन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) "सत् (बीइंग) की तरह है अतः कार्य करता है" (एज अ बीइंग सॉ इट एक्ट्स) 4

आ) भाषा एवं विचार के मध्य सम्बन्ध 4

इ) शून्य से सृष्टि (एक्स निहिलो) 4

ई) "मैं-वह" 4

उ) भाषा का वर्णनात्मक कार्य 4

ऊ) मूल कर्तव्य की पूर्वमान्यताएं 4

ए) बौद्धिक क्षुधा (रेशनल एपिटाइट) 4

ऐ) प्रतीकात्मक सम्प्रेषण 4

BPY-012 विज्ञान दर्शन और ब्रह्माण्ड-विज्ञान

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. क्वांटम यांत्रिकी क्या है? क्वांटम यांत्रिकी के दार्शनिक निहितार्थों पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

सत्यापन पद्धति/विधि क्या है? कार्ल पॉपर ने सत्यापन पद्धति की किस तरह आलोचना की? 20

2. अनिश्चित्तता का सिद्धान्त क्या है? अनिश्चित्तता के सिद्धान्त के दार्शनिक निहितार्थों पर टिप्पणी कीजिए।20

अथवा

लाइबिनीज़, काण्ट और न्यूटन की दिक्-काल-विषयक समझ की तुलना कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) मिथ्याकरण पद्धति (फाल्सीफेकशन मेथड) पर टिप्पणी कीजिए। 10
   - आ) अरस्तू के गति सिद्धान्त की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिए। 10
   - इ) कॉपर्निकसीय प्रणाली की अभिकल्पनाओं पर टिप्पणी कीजिए। 10
   - ई) आन्तरिक एवं बाह्य विज्ञान के इतिहास के मध्य अन्तर कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100-100** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) ब्रह्माण्ड के विस्तार के पक्ष में युक्तियां दीजिए। 5
   - आ) टॉलमी एवं टॉलमी-पश्च प्राणालियों के मध्य तुलना कीजिए। 5
   - इ) तार्किक भाववाद के विज्ञान सम्बन्धी विचार पर लघु निबन्ध लिखिए। 5
   - ई) सापेक्षता के सामान्य सिद्धान्त पर लघु निबन्ध लिखिए। 5
   - उ) पश्चवर्ती गति (रेट्रोग्रेड मोशन) पर लघु निबन्ध लिखिए। 5
   - ऊ) नव-कॉपर्निकसीय प्रणाली पर लघु निबन्ध लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर लगभग 100-100 शब्दों में लघु टिप्पणियां लिखिए। 5*4= 20

अ) सापेक्षता का विशिष्ट सिद्धान्त 4

आ) *वेल्टनस्चुंग (Weltanschauung)* 4

इ) विज्ञान दर्शन 4

ई) ऑल्बर का विरोधाभास 4

उ) जड़ पदार्थ की द्वैध प्रकृति 4

ऊ) प्राकृतिक नियम 4

ए) "ब्रह्माण्डीय आयु बहुत कम है" 4

ऐ) प्राक्कल्पना 4

BPYE-001 धर्म-दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. ईश्वर के अस्तित्व/सत्ता को सिद्ध करने के लिए संत ऑगस्टीन द्वारा प्रस्तुत युक्तियों की चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

अथवा

अशुभ की समस्या पर टिप्पणी लिखिए। 20

2. धार्मिक संघर्षों की परिसमाप्ति के लिये साक्ष्यों की भूमिका एवं सीमाओं की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

धार्मिक बहुलवाद क्या है? क्या आपका मानना है कि साक्ष्यों की सहायता से धर्म-संघर्षों को समाप्त किया जा सकता है? अपने उत्तर के पक्ष में युक्तियां दीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20

अ) धार्मिक संघर्षों की परिसमाप्ति के लिए सम्वाद की भूमिका पर निबन्ध लिखिए। 10

आ) धार्मिक सहिष्णुता पर टिप्पणी कीजिए। 10

इ) इमाइल दुर्खीम के धर्म-विषयक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिए। 10

ई) मेक्स वेबर के धर्म-विषयक दृष्टिकोण पर टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20

अ) बोनवेन्चर के ईशएअर सम्बन्धी विचार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

आ) धर्मशास्त्र एवं धर्म दर्शन के मध्य अन्तर कीजिए। 5

इ) स्पिनोज़ा के दर्शन में ईश्वर के प्रत्यय पर टिप्पणी कीजिए। 5

ई) क्या आप सहमत हैं कि धर्मशास्त्रीय कथन परीक्षणीय नहीं हैं? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए।5

उ) धर्म की उत्पत्ति सम्बन्धी नृशास्त्रीय (एन्थ्रोपॉलोजिकल) दृष्टिकोण के मुख्य प्राक्कल्पनाओं और विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 5

ऊ) रुडोल्फ़ ऑटो की धार्मिक अनुभव को विश्लेषित करने वाली संवृत्तिपरक पद्धति की चर्चा कीजिए।5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए। 5*4= 20

अ) धर्म 4

आ) "ईश्वर सरल है" 4

इ) ईश्वर के अस्तित्व के पक्ष में कलाम युक्ति 4

ई) संकल्प-स्वातन्त्र्य 4

उ) 'सम्पूर्ण अन्य' (दि व्हॉली अदर) 4

ऊ) प्रकृतिवाद 4

ए) स्वधर्म 4

ऐ) पूर्व-स्थापित सामंजस्य 4

BPYE-002 जनजाति और दलित-दर्शन

ध्यातव्य:

1. **सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. **प्रश्न क्रमांक 1 तथा 2 में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए।**

1. मौखिक संस्कृति का महत्व की चर्चा कीजिए और इसकी मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। इसकी तुलना लेखन संस्कृति से कीजिए। 20

अथवा

अलगाव क्या है? चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

2. "अलगाव एवं भेदभाव के विरुद्ध सम्बन्ध प्रेरणार्थक हैं"। क्या आप इस दावे से सहमत हैं? अपने उत्तर को प्रमाणित कीजिए। 20

अथवा

भीमराव अम्बेडकर के सामाजिक दर्शन की चर्चा एवं मूल्यांकन कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **200-200** शब्दों में लिखिए। 2*10= 20
   - अ) भेदभाव के सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - आ) ग्राम्सी के लोक समाज (सिविल सोसायटी) के विचार की चर्चा कीजिए। 10
   - इ) जनजातियों में रक्त-सम्बन्ध/सगोत्र (किनशिप) प्रणाली पर टिप्पणी लिखिए। 10
   - ई) दलित सशक्तिकरण में लोक समाज (सिविल सोसायटी) की भूमिका की चर्चा कीजिए 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में लिखिए। 4*5= 20
   - अ) भारत में दलित राजनीति पर ग्राम्सी की अवधारणा के अनुप्रयोग की सीमाओं की चर्चा कीजिए। 5
   - आ) संथाल जनजाति के सृष्टि विषयक वृत्तांत की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 5
   - इ) जनजातिय दर्शन की संक्रमण-अवस्था को प्रकाशित कीजिए।
   - ई) जनजातियों की विश्व-दृष्टि में लोकगीतों/कहानियों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 5
   - उ) दलित आन्दोलनों में पहचान के स्मरण की भूमिका की अतिसंक्षिप्त चर्चा कीजिए। 5

ऊ) अभाव के स्मरण की इतिहास-विद्या (हिस्टोरियोग्राफी) का वर्णन कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर **100-100** शब्दों में लघु टिप्पणी कीजिए। 5*4= 20

अ) सृष्टि विषयक हो जनजाति के विचार 4

आ) जनजातीय आध्यात्मिकता 4

इ) कॉस्मोथींड्रिज़्म 4

ई) हाशिए का इतिहास (सबाल्टर्न हिस्ट्री) 4

उ) वैकल्पिक इतिहास-विद्या (ऑल्टरनेटिव हिस्टोरिओग्राफी) 4

ऊ) *करम* 4

ए) मिथ 4

ऐ) प्राधान्य (हेजेमनी) 4